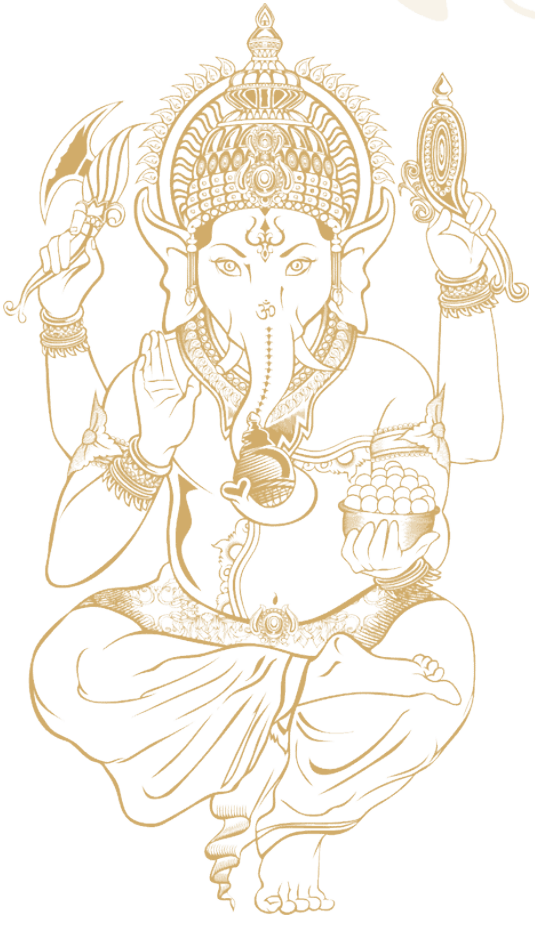

Mr.ankur

22 Apr 1994

10:12 AM

Ambala

Model: web-freekundliweb

Order No: 120399702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/04/1994**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**10:12:00 घंटे**
इष्ट	10:57:47 घटी
स्थान	**Ambala**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	76:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:49:16 घंटे
वेलान्तर	00:01:25 घंटे
साम्पातिक काल	23:49:19 घंटे
सूर्योदय	05:48:53 घंटे
सूर्यास्त	18:54:16 घंटे
दिनमान	13:05:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	08:03:08 मेष
लग्न के अंश	16:59:02 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वृद्धि
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टा-टाटा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:59:02	316:23:31	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मेष	08:03:08	00:58:30	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	उच्च राशि
चंद्र			सिंह	17:18:53	14:23:21	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			मीन	11:59:31	00:46:24	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	मित्र राशि
बुध		अ	मीन	28:58:50	01:58:55	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	नीच राशि
गुरु	व		तुला	17:02:24	00:07:28	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	01:15:10	01:13:17	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	स्वराशि
शनि			कुंभ	15:39:04	00:05:22	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	00:11:01	00:02:53	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	00:11:01	00:02:53	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	सम राशि
हर्ष			मक	02:31:51	00:00:26	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप			धनु	29:33:58	00:00:06	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	03:35:37	00:01:27	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			मीन	03:18:40	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:52

लग्न-चलित

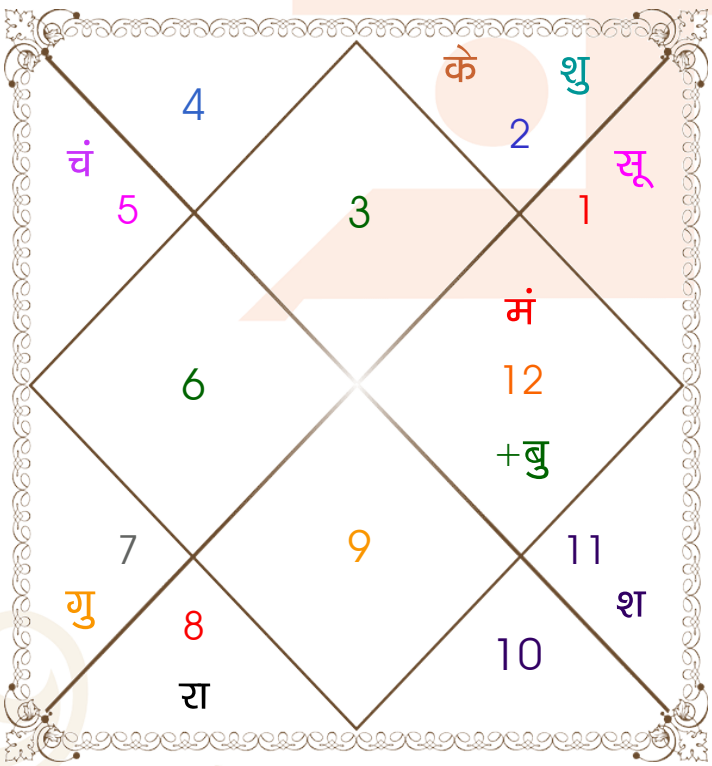

चन्द्र कुंडली

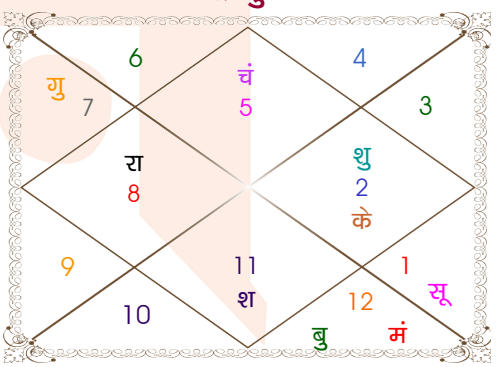

नवमांश कुंडली

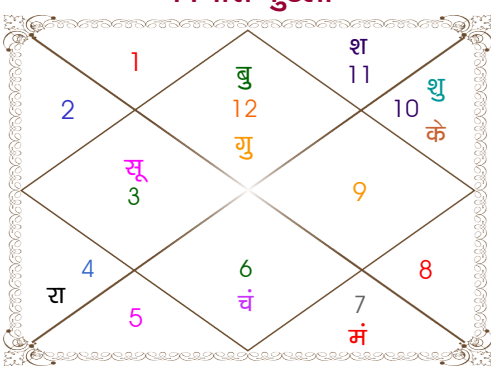

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 14 वर्ष 0 मास 10 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
22/04/1994		02/05/2008		02/05/2014		02/05/2024		02/05/2031	
02/05/2008		02/05/2014		02/05/2024		02/05/2031		02/05/2049	
	00/00/0000	सूर्य	19/08/2008	चंद्र	03/03/2015	मंगल	28/09/2024	राहु	13/01/2034
	22/04/1994	चंद्र	18/02/2009	मंगल	02/10/2015	राहु	16/10/2025	गुरु	07/06/2036
चंद्र	02/05/1994	मंगल	26/06/2009	राहु	01/04/2017	गुरु	22/09/2026	शनि	14/04/2039
मंगल	02/07/1995	राहु	20/05/2010	गुरु	01/08/2018	शनि	01/11/2027	बुध	01/11/2041
राहु	02/07/1998	गुरु	09/03/2011	शनि	02/03/2020	बुध	28/10/2028	केतु	19/11/2042
गुरु	02/03/2001	शनि	19/02/2012	बुध	01/08/2021	केतु	26/03/2029	शुक्र	19/11/2045
शनि	02/05/2004	बुध	25/12/2012	केतु	02/03/2022	शुक्र	26/05/2030	सूर्य	13/10/2046
बुध	03/03/2007	केतु	02/05/2013	शुक्र	01/11/2023	सूर्य	01/10/2030	चंद्र	13/04/2048
केतु	02/05/2008	शुक्र	02/05/2014	सूर्य	02/05/2024	चंद्र	02/05/2031	मंगल	02/05/2049

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
02/05/2049		02/05/2065		02/05/2084		03/05/2101		03/05/2108	
02/05/2065		02/05/2084		03/05/2101		03/05/2108		00/00/0000	
गुरु	20/06/2051	शनि	05/05/2068	बुध	28/09/2086	केतु	29/09/2101	शुक्र	02/09/2111
शनि	31/12/2053	बुध	13/01/2071	केतु	25/09/2087	शुक्र	29/11/2102	सूर्य	01/09/2112
बुध	07/04/2056	केतु	22/02/2072	शुक्र	26/07/2090	सूर्य	06/04/2103	चंद्र	23/04/2114
केतु	14/03/2057	शुक्र	23/04/2075	सूर्य	02/06/2091	चंद्र	05/11/2103		00/00/0000
शुक्र	13/11/2059	सूर्य	04/04/2076	चंद्र	31/10/2092	मंगल	02/04/2104		00/00/0000
सूर्य	31/08/2060	चंद्र	04/11/2077	मंगल	28/10/2093	राहु	21/04/2105		00/00/0000
चंद्र	31/12/2061	मंगल	13/12/2078	राहु	17/05/2096	गुरु	28/03/2106		00/00/0000
मंगल	07/12/2062	राहु	19/10/2081	गुरु	23/08/2098	शनि	06/05/2107		00/00/0000
राहु	02/05/2065	गुरु	02/05/2084	शनि	03/05/2101	बुध	03/05/2108		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 13 वर्ष 11 मा 19 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।